

CSA Leading in Agri-Startup



Kartavy Kishor Verma
Founder of FIT-BITE

Who did his B.Sc. Ag in 2021 from CSA University, Kanpur started their startup from 2019 during study period



Green Resident Agri-startup

Products and Services

Products-

- 1) Indoor air purifying plants
- 2) Radiation reducing plants
- 3) Medicinal plants
- 4) Vermi compost



SHIVAM TIWARI
CA-10316/2017
CSAUAT, Kanpur



MANISH PANDEY
CA-10295/2017
CSAUAT, Kanpur



INDOOR AIR PURIFYING PLANTS

VERMI COMPOST

- Services-** 1) Lawn making 2) Vertical gardening 3) Kitchen gardening 4) Terrace gardening

COMING SOON

- 1) Soil less media
- 2) Organic pesticides
- 3) Vermiwash

ECONOMY

- Investment- About 1 lakh
- Annual turnover- 2.4 lakh to 4 lakh
- Expected total market- 12 to 15 lakh

OUTCOME

Its refers to the minimize the air pollution and refresh the environment of indoor areas (home, offices, hospitals, restaurants etc.) to create plenty of the abundance of the oxygen.

We started our enterprise on October 2019, while we were continueing with our studies.

INNOVATION FOR SMALL FARM AND WOMEN FRIENDLY EQUIPMENT

Ready To Agri Startup

GARLIC PLANTER

The field evaluation of manually operated garlic planter was done by raising Garlic crop over an area 0.0180 ha on farm located at College of Agril Engg and Technology Etawah



GROUNDNUT DECORTICATOR (CAET Mk-I)

The decorticating efficiency of modified power operated groundnut decorticator was more (90%) in comparison of hand operated decorticator which was 83% and old power operated groundnut decorticator which was 55.26%.

The new modified power operated groundnut decorticator gave higher decorticating output of 335kg/h.

Paddy Thresher cum Winnowing (Mk-I)

The power operated paddy thresher Mk-II was compared in terms of capacity, thermal efficiency, cleaning efficiency and percentage of un-threshed grain for paddy varieties Sri Ram, Pioneer Hybrid 6444 and Pusa Basmati. The paddy thresher Mk-I had higher threshing input capacity than paddy thresher Mk-II however its cleaning efficiency was more or less same as Mk-II. Now it is ready to Agri Startup.



Power Operated Corn Sheller

The power operated corn sheller's shelling capacity is many times higher than that of other treatments. Although the shelling efficiency of hand sheller and hand held sheller is 100%, it is drugerious and time consuming compared to power operated corn sheller which has an efficiency of 95.11%. The cost of operation of shelling corn has been gradually reduced from Rs 419 per quintal to Rs 22.85 per quintal while switching from hand sheller to hand held sheller, pedal operated sheller to power operated corn sheller ignoring other inputs like electricity consumption charges while going for economic analysis. But if other inputs like electricity consumption charges are included the total cost of operation of shelling corn shall be reduced gradually from Rs. 419/- per quintal by hand to Rs. 40.13/- per quintal power operated corn sheller.



विश्वविद्यालय – कृषक सहभागी नवाचार एग्री स्टार्टअप के लिए है तैयार

ऊतक संवर्धन विधि से आलू बीज उत्पादन नवाचार

- ❖ श्री शिवम् तिवारी ग्राम-नावली, पोस्ट-चित्तमवन, विकास खंड-बसरेहर, इटावा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र ऊतक संवर्धन विधि से आलू बीज उत्पादन का नवाचार।
- ❖ कृषक द्वारा आलू की खेती 10.0 हे० क्षेत्रफल में की जा रही थी जिससे ₹0 18.00 लाख की आय होती थी। ऊतक संवर्धन विधि से आलू की विभिन्न प्रजातियाँ जैसे-कु० सुख्यति, कु० नीलकण्ठ, कु० फाईओम, कु० संगम के बीज उत्पादन से ₹0 60.00 लाख की आय प्राप्त हुई है। इस नवाचार से स्थानीय स्तर से आलू के बीज की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।
- ❖ ऊतक संवर्धन विधि से आलू बीज उत्पादन के सफल नवाचार से जनपद-इटावा के आलू उत्पादक कृषक प्रभावित होकर इस नवाचार को 25-30 कृषक अपना चुके हैं तथा किसान उत्पादक संगठन का गठन कर नवाचार के विस्तार की योजना है।



विवरण	आय(लाख में)
क. नवाचार के पूर्व	18.00
ख. नवाचार के उपरान्त	60.00
ग. नवाचार का प्रसार	25-30 कृषक

एकीकृत कृषि पद्धति नवाचार

- ❖ श्री राम सिंह पटेल ग्राम-औँगा, वि.ख.-मलवाँ, फतेहपुर में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा पारम्परिक कृषि में नवाचार हेतु लहसुन एवं सहफसल के रूप में पपीता के साथ परवल, मक्का, खरबूजा एवं हल्दी का उत्पादन किया गया।
- ❖ इस नवाचार से ₹0 5.00 लाख प्रति एकड़ आय प्राप्त की गई।
- ❖ नवाचार का विस्तार जनपद-फतेहपुर के प्रत्येक विकास खण्ड में करने हेतु प्रभावित कृषकों को चिन्हित कर किया जा रहा है।
- ❖ जनपद फतेहपुर में कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा 25 कृषकों को पारम्परिक खेती के सापेक्ष इस नवाचार को अपने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।



विवरण	आय(लाख में)
क. नवाचार के पूर्व	0.95 (धान + गेहूँ)
ख. नवाचार के उपरान्त	5.00
ग. नवाचार का प्रसार	25 कृषक

अपारम्परिक क्षेत्र में मोती उत्पादन

श्री रमेश सिंह ग्राम-हसनपुर अकोड़िया, खागा, फतेहपुर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, थरियांव के सहभागी प्रयास द्वारा एकीकृत कृषि प्रणाली के साथ मोती की खेती।

- ❖ सामान्यतः 0.11 एकड़ के तालाब में मत्स्य पालन द्वारा ₹0 45000 प्रति वर्ष की आय।
- ❖ वर्ष 2020 में मत्स्य पालन के साथ मोती की खेती से 200 मोती का उत्पादन करने से ₹0 1,25000 की आय प्राप्त हुई। जिससे प्रेरित होकर मत्स्य पालन के साथ-साथ 4000 मोती उत्पादन की योजना है।

मोती उत्पादन के विस्तार हेतु खेत तालाब योजना के अन्तर्गत मत्स्य पालक कृषकों के तालाबों पर प्रस्तावित है।



विवरण	आय(लाख में)
क. पक्का के पूर्व	0.45 (मछी)
ख. पक्का के उपरान्त	1.25 (पक्का + मछली)
ग. पक्का का प्रसार	4000 सं. से 10,50,000 सं. तक की रोज

News clippings

नोपुछा, रविवार 12 सितम्बर, 2021 **6**

DIRECTORATE OF PLACEMENT
CHANDRA SHEKHAR AZAD UNIVERSITY OF AGRICULTURE & TECHNOLOGY, KANPUR - 208 002